जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015 | 3 अ

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग अ | पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. जयाचार्य ने माघ शुक्ला सप्तमी को किस वर्ष मर्यादा महोत्सव के रूप में नियत कर दिया?
   (अ) वि.सं. 1921 (ब) वि.सं. 1908
   (स) वि.सं. 1917 (द) वि.सं. 1938 ( )

2. किस आचार्य का शासनकाल सबसे कम मात्र 4 वर्ष 7 माह का ही रहा?
   (अ) आचार्य भारमलजी (ब) आचार्य डालचंदजी
   (स) आचार्य जीतमलजी (द) आचार्य माणकगणी ( )

3. कालु तत्त्व शतक (तीसरा वर्ग) में धर्म को व्याख्यायित करने वाले कुल कितने बोल है?
   (अ) पांच (ब) दो
   (स) चार (द) एक ( )

4. ऋषभ के पुत्र थे-
   (अ) 99 (ब) 98
   (स) 100 (द) 125 ( )

5. जप के मुख्यत: भेद है-
   (अ) दो (ब) चार
   (स) तीन (द) आठ ( )

6. 'नमोत्थुणं' पाटी का दूसरा नाम है-
   (अ) उक्कितणं (ब) सक्कथुई
   (स) इरियावहियं सुतं (द) काउस्सग्ग पडिन्ना ( )

7. पूर्व प्रतिज्ञा के अनुसार हरिभद्र ने शिष्यत्व स्वीकार किया-
   (अ) गौतम स्वामी का (ब) याकिनी महत्तरा का
   (स) जंबु स्वामी का (द) महावीर स्वामी का ( )

8. सरदारांजी को दीक्षा किसने दी?
   (अ) युवाचार्य जय (ब) आचार्य जीतमलजी
   (स) मुनि जय (द) आचार्य रायचन्दजी ( )

9. कच्छ के पूज्य कहलाते हैं–

(अ) आचार्य भिक्षु (ब) आचार्य जीतमलजी

(स) आचार्य डालगणी (द) आचार्य भारमलजी ( )

10. सर्वश्रेष्ठ दान है

(अ) रक्तदान (ब) अभयदान

(स) धर्मदान (द) साधु को दान ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) जीव अजीव इन दो राशियों में पूरा.....समा जाता है।

(2) संसार के सब जीव अपने कर्मानुसार चार.....में परिभ्रमण करते हैं।

(3) अरिष्टम नेमि के पिता.....और श्री कृष्ण के पिता वसुदेव सगे भाई थे।

(4) मेतिं भूएसु कप्पए!.....सव्वभूय खेमंकरी।

(5) श्रमण धर्म के.....प्रकार है।

(6) संघ के वर्तमान आचार्य जिस दिन पट्ट पर आसीन होते हैं। उसे.....के रूप में मनाया जाता है।

(7) निर्ग्रंथ शब्द.....का प्रतीक है।

(8) आचार्य डालगणी के पिता का नाम.....
तथा माता का नाम.....था।

(9) मघवागणी का नाम.....नक्षत्र में जन्म होने के कारण 'मघराज' रखा गया।

(10) प्रथम साध्वी प्रमुखा हुई.....

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) भगवान ऋषभ का सबसे बड़ा पुत्र बाहुबलि चक्रवर्ती सम्राट बनना चाहता था। ( )

(2) काष्ठमाला की अपेक्षा कर माला को अधिक उत्तम माना गया है। ( )

(3) देव, गुरू, धर्म पर श्रद्धा रखना सम्यकत्व का लक्षण है। ( )

(4) विद्वान हरिभद्र, याकिनी महत्तराजी के पास दीक्षित होकर जैन मुनि बने। ( )

(5) मुनि स्वरूपचंदजी जयाचार्य के बड़े भाई थे। ( )

(6) विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. आइन्स्टीन ने सापेक्षवाद की स्थापना की। ( )

(7) प्रयाण गीत के रचयिता जयाचार्य है। ( )

(8) निर्जरा के बारह प्रकार है। ( )

(9) आचार्य माणकगणी ने डालगणी को युवाचार्य बनाया। ( )

(10) भगवान महावीर ने अज्ञान पूर्ण तप का विरोध किया। ( )